कक्षा - 6 हिन्दी (वसंत भाग - 1)

पाठ-9

टिकट - अलबम

- सुन्दरा रामस्वामी

प्रश्न - अभ्यास

✲ कहानी से -

प्र०1. नागराजन ने अलबम के मुख्य पृष्ठ पर क्या लिखा और क्यों ? इसका असर कक्षा के अन्य लड़के - लड़कियों पर क्या हुआ ?

उत्तर - अलबम के पहले पृष्ठ पर मोती जैसे अक्षरों में नागराजन के मामा ने लिख भेजा था - ए. एम. नागराजन

'इस अलबम को चुराने वाला बेशर्म है। ऊपर लिखे नाम को कभी देखा है ? यह अलबम मेरा है। जब तक घास हरी है और कमल लाल, सूरज जब तक पूर्व से उगे और पश्चिम में छिपे, उस अनंत काल तक के लिए यह अलबम मेरा है, रहेगा।'

ऐसा करने से अलबम कोई नहीं चुराएगा। इसके असर से क्लास के सारे लड़के - लड़कियों ने यह वाक्य अपने-अपने अलबम और किताबों में लिख लिया।

प्र०2. नागराजन के अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा के मन की क्या दशा हुई ?

उत्तर — नागराजन के अलबम के हिट हो जाने के बाद राजप्पा मन ही मन कुढ़ा करता था। उसे अब स्कूल जाना भी अच्छा नहीं लगता था, उसे जलन हो रही थी।

प्र०3. अलबम चुराते समय राजप्पा किस मानसिक स्थिति से गुजर रहा था?

उत्तर— अलबम चुराते समय राजप्पा को बहुत डर लग रहा था। अलबम पर लिखे शब्द उसे भयभीत कर रहे थे। उसका पूरा शरीर जलने लगा था। इस प्रकार राजप्पा ने अलबम चुरा तो लिया परंतु उसे बहुत ही दुखद मानसिक स्थिति का सामना करना पड़ा क्योंकि उसे पता था उसने गलत किया है।

प्र०4. राजप्पा ने नागराजन का टिकट-अलबम अँगीठी में क्यों डाल दिया?

उत्तर— अपनी चोरी पकड़े जाने के डर से राजप्पा ने नागराजन का टिकट-अलबम अँगीठी में डाल दिया।

प्र०5. लेखक ने राजप्पा के टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्खी से क्यों की?

उत्तर— लेखक ने राजप्पा के टिकट इकट्ठा करने की तुलना मधुमक्खी से की है क्योंकि जिसप्रकार मधुमक्खी विभिन्न फूलों से रस इकट्ठा करती है उसी प्रकार राजप्पा ने भी विभिन्न स्थानों और व्यक्तियों से टिकट इकट्ठा कर अपना अलबम तैयार किया था।

✡ भाषा की बात —

प्र०1. निम्नलिखित शब्दों को कहानी में ढूँढ़कर उनका अर्थ समझो। अब स्वयं सोचकर इनसे वाक्य बनाओ —

खोंसना	जमघट	टटोलना	कुढ़ना	ठहाका
अगुआ	पुचकारना	खलना	हेकड़ी	तारीफ़

उत्तर— (1) खोंसना (अटकाना) – रामू ने कलम को अपने कान में खोंस लिया।

(2) जमघट (भीड़) – मेले में बच्चों का जमघट लगा हुआथा।

(3) टटोलना (ढूँढना) – पुस्तक माँगने पर वह थैला टटोलने लगी।

(4) कुढ़ना (ईर्ष्या करना) – नागराजन के अलबम के हिट हो जाने पर राजप्पा उससे कुढ़ने लगाथा।

(5) ठहाका (जोर की हँसी) – कहानी समाप्त होते ही बच्चों ने एक साथ ठहाका लगाया।

(6) अगुआ (नेता, आगे चलने वाला) — लड़कियों की अगुआ पार्वती थी।

(7) पुचकारना (सांत्वना देना) – छोटे बच्चों को रोते देखकर उन्हें पुचकारने का मन करता है।

(8) खलना (बुरा लगना) — वह अपने गुस्से के कारण सबको खलने लगा।

(9) हेकड़ी (डींग मारना) – तुम अपनी अमीरी की हेकड़ी यहाँ मत दिखाओ।

(10) तारीफ़ (प्रशंसा) – एक समय था कि, लड़के राजप्पा के अलबम की काफ़ी तारीफ़ करते थे।

प्र॰2. कहानी से व्यक्तियों या वस्तुओं के लिए प्रयुक्त हुए 'नहीं' का अर्थ देने-वाले शब्दों (नकारात्मक विशेषण) को छाँटकर लिखो। उनका उलटा अर्थ देने वाले शब्द भी लिखो।

उत्तर—

नकारात्मक विशेषण	–	उलटा अर्थ देने वाले शब्द
घमंडी	–	स्वाभिमानी
चिंतित	–	निश्चिंत
ईर्ष्यालु	–	स्पर्धालु
फिसड्डी	–	बढ़िया
बंद	–	खुला